संदर्भ ग्रन्थ सूची

आधार ग्रन्थ

शोध प्रबन्ध में विवेच्य शिवानी के आधार ग्रंथ

१	कैंजा	हिन्द पॉकेट बुक्स प्रा.लि., जी.टी.रोड,शाहदरा,दिल्ली ११० ०३२, प्रकाशन सन १९७३ ।
२	विषकन्या	हिन्द पॉकेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड,दिल्ली, नवीन सरस्वती सीरीज,संस्करण १९८६ ।
३	रतिविलाप	सरस्वती विहार,दरियागंज,दिल्ली, द्वितीय संस्करण १९७७,मूल संस्करण - १९७७ ।
४	माणिक	हिन्दपॉकेट बुक्स(प्रा.)लिमिटेड, जी.टी.रोड,शाहदरा,दिल्ली,११० ०३२, नवीन सरस्वती सीरीज,संस्करण १९८७ । मूल संस्करण १९७८ ।
५	रथ्या	सरस्वती विहार,दरियागंज,दिल्ली, द्वितीय संस्करण - १९७७,मूल संस्करण १९७७ ।
६	गैंडा	हिन्द पॉकेट बुक्स प्रा.लि., जी.टी. रोड, शाहदरा,दिल्ली ११० ०३२ नवीन सरस्वती सीरीज,संस्करण १९८७ ।
७	किशनकली	सरस्वती विहार,२१,दयानंद मार्ग,दरियागंज, नई दिल्ली ११० ००२,संस्करण १९७९ ।
८	कृष्णवेणी	सरस्वती विहार,२१,दयानंद मार्ग,दरियागंज, नई दिल्ली ११० ००२,संस्करण १९८१ ।
९	चिर स्वयंवरा	हिन्दपॉकेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड,जी.टी.रोड, दिलशाद गार्डन ,दिल्ली ११० ०९५
१०	करिए क्षमा	हिन्द पॉकेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड,जी.टी.रोड, शाहदरा दिल्ली ११० ०९५

११ अपराधिनी हिन्द पॉकेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड,
जी.टी.रोड,शाहदरा,दिल्ली १०० ०३२
संस्करण १९८६,मूल संस्करण १९७२।

१२ पूतोंवाली हिन्द पॉकेट बुक्स(प्रा.) लि.,जी.टी.रोड,शाहदरा,
दिल्ली,११० ०३२,नवीन सरस्वती सीरीज,संस्करण १९८७,
मूल संस्करण १९७८।

१३ मेरी प्रिय कहानियाँ - सरस्वती विहार,२१ ,दायनंद मार्ग,दरियागंज,
नई दिल्ली,११० ००२,दूसरा संस्करण १९७४।

१४ स्वयंसिध्दा हिन्द पॉकेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड,जी.टी.रोड,
दिलशाद गार्डन ,दिल्ली,११० ०९५

संदर्भ ग्रन्थ

१. अग्रवाल, बिंदू (डॉ.) - हिन्दी उपन्यासों में नारी चित्रण

२. अग्रवाल, गिरिराजशरण (डॉ.) नारी उत्पीडन की कहानियाँ

३. द्विवेदी, हजारीप्रसाद (डॉ.) शिवानी की 'लाल हवेली' की भूमिका में

४. जैनेन्द्र - परख

५. मठपाल, सावित्री (डॉ.) - जैनेन्द्र के उपन्यासों में नारी पात्र

६. पन्त, सुमित्रानन्दन - पन्त ग्रंथावली

७. प्रेमचन्द - गोदान

८. राधाकृष्णन (डॉ.) - धर्म और समाज

९. शिवानी - धर्मयुग अक्तूबर १९९०

१०. शिवानी - चौदह फेरे

११. शिवानी - जालक

१२. शिवानी - लाल हवेली

१३. सिन्हा, सावित्री (डॉ.) - शिवानी के 'चौदह फेरे' की प्रशंसा में

१४. वर्मा, महादेवी - श्रृंखला की कडियाँ

१५. व्होरा आशारानी - भारतीय नारी: अस्मिता और अधिकार